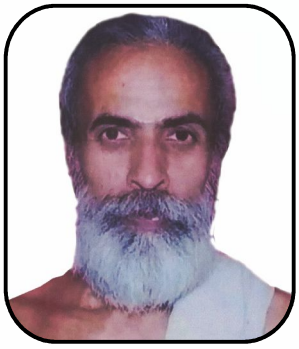

SHRI GANESHWAR SHASTRI DRAVID

Shri Ganeshwar Shastri Dravid is a Vedic Scholar and a great astrologer who by way of his deep knowledge in the field of astrology helping thousands of people across the world free of cost.

2. Born on 8th December, 1958, Shri Dravid Shastri does not have any degree from any recognized college or University. He received all his education since his childhood from the traditional Gurukul, which was conducted by his father Pandit Rajeshwar Shastri Dravid, an eminent scholar of jurisprudence at Ramnagar in the city of Banaras. Besides his knowledge in Astrology, he also has a vast knowledge in all four Vedas, Vedanta, Nyaya-Shastra (Jurisprudence), Dharma-Shastra (Theology), Darshan-Shastra (Philosophy), Niti-Shastra (Ethics), Raj-Shastra (Political Science), Mimansa-Shastra (Epistemology), Puranas, Ayurveda, etc.

3. Shri Dravid Shastri has made the efforts to promote the Vedic knowledge and practices of Sanatan-Dharma across the country. He is the Examination officer of the council known as Shri Girvanvagvardhini Sabha, established under Shri Vallabhram Shaligram Sangved Vidyalaya, Ramghat, Varanasi. Through his efforts this council provides classical solutions of complex religious, astrological, social and political questions. Notably, Shri Dravid Shastri ji provided the auspicious timing (Muhurta) for the Bhumi Pujan and Pran Pratishtha of the Shri Ram Mandir in Ayodhya and the Kashi Vishwanath Mandir corridor in Varanasi.

4. Earlier, Shri Dravid Shastri had played an important role in preserving the Ram Setu (which was built by Lord Ram's Army) by providing various evidences from the ancient religious texts to the Hon'ble Supreme Court of India. He had edited the book of Krishna- Yajurveda, 23 years ago in Madras (Chennai) which is one of the historical works.

5. Shri Dravid Shastri is the recipient of various awards and honours. He received various titles like 'Jyotish-Vidya- Ratnam' from Shri Kanchi Kamkoti Peetham, Kanchi, Tamil Nadu in 2022, 'Manikya- Gauravam' from Shri Manikya Prabhu Samsthanm, Humnabad, Karnataka in 2021, 'Tark- Vagish' from Akhil Bharatiya Shri Pandit Parishad, Varanasi in 1982, etc.

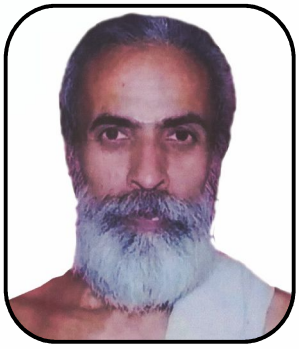

श्री गणेश्वर शास्त्री द्राविड

श्री गणेश्वर शास्त्री द्राविड एक वैदिक विद्वान और महान ज्योतिषी हैं, जो ज्योतिष के क्षेत्र में अपने गहन ज्ञान के जरिये दुनिया भर में हजारों लोगों की निःशुल्क मदद कर रहे हैं।

2. 8 दिसंबर 1958 को जन्मे, श्री द्राविड शास्त्री के पास किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या विश्वविद्यालय की कोई डिग्री नहीं है। उन्होंने बचपन से ही अपनी सारी शिक्षा पारंपरिक गुरुकुल से प्राप्त की, जिसका संचालन उनके पिता पंडित राजेश्वर शास्त्री द्राविड करते थे, जो बनारस के रामनगर में न्यायशास्त्र के प्रख्यात विद्वान थे। ज्योतिष के ज्ञान के अलावा, उन्हें चारों वेदों, वेदांत, न्यायशास्त्र, धर्मशास्त्र, दर्शनशास्त्र, नीतिशास्त्र, राजशास्त्र, मीमांसा शास्त्र, पुराण, आयुर्वेद आदि का भी व्यापक ज्ञान है।

3. श्री द्राविड शास्त्री ने देश भर में वैदिक ज्ञान और सनातन धर्म की प्रथाओं को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। वह श्री वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय, रामघाट, वाराणसी के तहत स्थापित श्री गिरवन्वाग्वर्धिनी सभा नामक परिषद के जांच अधिकारी हैं। उनके प्रयासों से यह परिषद जटिल धार्मिक, ज्योतिषीय, सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों का शास्त्रीय समाधान प्रदान करती है। उल्लेखनीय है कि श्री द्राविड शास्त्री जी ने ही अयोध्या में श्री राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भूमिपूजन और प्राण प्रतिष्ठा के लिए शुभ समय (मुहूर्त) तय किया था।

4. इससे पहले श्री द्राविड शास्त्री ने भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय को प्राचीन धार्मिक ग्रंथों से विभिन्न साक्ष्य उपलब्ध कराकर राम सेतु (जिसे भगवान राम की सेना ने बनाया था) को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 23 साल पहले मद्रास (चेन्नई) में कृष्ण–यजुर्वेद पुस्तक का संपादन किया था जो एक ऐतिहासिक कृति है।

5. श्री द्राविड शास्त्री को कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें 2022 में श्री कांची कामकोटि पीठम, कांची, तमिलनाडु से 'ज्योतिष–विद्या–रत्नम', 2021 में श्री माणिक्य प्रभु संस्थानम, हुमनाबाद, कर्नाटक से 'माणिक्य–गौरवम', 1982 में अखिल भारतीय श्री पंडित परिषद, वाराणसी से 'तर्क–वागीश' जैसी कई उपाधियां मिली हैं।